आकाशवाणी शिमला

17.08.2025 / प्रादेशिक समाचार / 9.20 बजे

विधानसभा सत्र

प्रदेश विधानसभा का मॉनसून सत्र कल 18 अगस्त से शुरू होगा जो 2 सितंबर तक चलेगा। यह 14वीं विधानसभा का नौवां सत्र होगा, जिसमें कुल 12 बैठकें आयोजित की जाएंगी। यह अब तक का चौथा सबसे बड़ा मॉनसून सत्र होगा। इससे पहले 1962 में प्रथम विधानसभा का मानसून सत्र 13 बैठकों का, 1968 में द्वितीय विधानसभा का 15 बैठकों का और 2009 में 11वीं विधानसभा का 17 बैठकों का सत्र आयोजित हुआ था। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि 14वीं विधानसभा में अब तक 8 सत्रों में कुल 73 बैठकें हो चुकी हैं और इस सत्र के दौरान 85 बैठकें पूरी हो जाएंगी। अब तक सदस्यों से 830 सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, जिनमें 679 तारांकित प्रश्न और 151 अतारांकित प्रश्न शामिल हैं। इसके अलावा विभिन्न नियमों के तहत 28 सूचनाएं भी मिली हैं। उन्होंने बताया कि सदस्यों द्वारा दी गई सूचनाओं में प्रमुख विषय हिमाचल में प्राकृतिक आपदा और बाढ़ से हुए नुकसान शामिल हैं। कुलदीप पठानिया ने कहा कि सत्र शुरू होने से पहले 18 अगस्त को 12 बजे सर्वदलीय बैठक होगी। इस बीच प्रदेश भाजपा के विधायल दल की बैठक आज शाम को होगी। जबकि कांग्रेस विधायक दल की बैठक कल ओकओवर में होगी।

निर्वाचन आयोग – मतदाता सूची

निर्वाचन आयोग ने कहा है कि मतदाता–सूची पूरी पारदर्शिता से, कानून–कायदों का पालन कर तैयार की जाती है। आयोग ने कहा कि मतदाता–सूची तैयार करते समय हर चरण में राजनीतिक दलों को शामिल किया गया था। आयोग ने पिछले चुनावों की मतदाता सूचियों में कथित कमियों का मुद्दा उठाए जाने की आलोचना की। आयोग ने कहा कि मतदाता–सूची से जुड़ा कोई भी मुद्दा दावा और आपत्ति अवधि के दौरान उठाया गया होता, तो उनकी जाँच की जा सकती थी। आयोग ने यह भी कहा कि कई राजनीतिक दलों और उनके बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं ने मतदाता–सूची के मसौदे पर समय रहते कोई आपत्ति दर्ज नहीं की थी।

आपदा नुकसान

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश की वजह से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारी बारिश से राज्य को अब तक 2 हजार 100 करोड़ रुपये से अधिक का नुक़सान हो चुका है। सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण और जल शक्ति विभाग को हुआ है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने संसाधनों पर पहले भी आपदा प्रभावितों तक मदद पहुंचाई है विशेष तौर पर जिला मंडी के लिए 100 करोड़ रुपये का पैकेज जारी किया गया है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से प्रदेश को अधिक मद्द का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश

वहीं उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि हम संघीय ढांचे में रहते हैं। ऐसे में केंद्र सरकार को हिमाचल प्रदेश सरकार की मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने स्तर पर आपदा प्रभावितों को मदद पहुंचाई है। जल शक्ति विभाग को की परियोजनाओं को भारी बारिश से काफी नुकसान हुआ है।

मौसम

प्रदेश के कई भागों में मॉनसून की वर्षा का क्रम जारी है। मंडी जिला में आज सुबह से ही भारी बारिश हो रही है। टकोली तथा नगवाईं क्षेत्रों में बादल फटने का समाचार है। जिला के टकोली मार्केट यार्ड में मलबा आने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुल्लू जिला में भी कल रात भारी बारिश हुई। कुल्लू के दोहरा नाला में बादल फटने की वजह से मौहल खड्ड में बाढ़ आई गई इसके चलते कुल्लू–भूंतर सड़र्क मार्ग बंद हो गया है। जिला प्रशासन ने लोगों से नदी नालों से दूर रहने की अपील की है। इधर शिमला ग्रामीण क्षेत्र की बल्देयां–खटनोल सड़क पर भूस्खलन से सड़क मार्ग पर चार दिनों से यातायात अवरूद्ध है। जिससे लगभग आधा दर्जन पंचायतों का संपर्क अन्य भागों से कटा हुआ है। इससे बागवानों व किसानों को अपनी फसलों को को मंडी तक पहुंचाने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में भू–स्खलन से दो राष्ट्रीय उच्च मार्गों सहित 3 सौ 13 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं। प्रदेश में वर्षा से जुड़ी

घटनों में अब तक 2 सौ 61 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 37 लोग लापता हैं। मौसम विभाग ने 19 अगस्त तक राज्य के अनेक भागों में वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है।

सुर्खियां समाचार पत्रों से.....

अमर उजाला का शीर्षक है–**जर्जर स्कूल भवनों से शिफ्ट होंगे बच्चे, मरम्मत कार्यों के लिए 16 करोड़ जारी ।** पत्र ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के हवाले से सुर्खी दी है–**हिमाचल में शिक्षकों के 9 हजार 5 सौ 35 पद भरेंगे।** पंजाब केसरी के शब्द हैं–**आपदा राहत के लिए 100 करोड़, शिक्षकों के 9 हजार 5 सौ 35 पद भरें जाएंगे।** दैनिक जागरण का शीर्षक है–**नेर चौक से सरकाघाट स्थानांतरित होगी अटल मेडिकल यूनिवर्सिटी।** जबकि दनिक भास्कर की सुर्खी है–**आपदा राहत के लिए अतिरिक्त 100 करोड़ जारी, तीन हजार करोड़ की परियोजना होगी शुरू** जबकि दिव्य हिमाचल लिखता है–**सुक्खू सरकार देगी 12 हजार 5 सौ 35 नौकरियां।** दैनिक सवेरा टाइम्स का कहना है–**हिमाचल विधानसभा में मानसून सत्र में गूंजेगा प्राकृतिक आपदा का मुद्दा।**